

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 सऊदी अरब में मौत | 5 दीयों की तैयारी | 8 मोना ने जीता गोल्ड

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 04, अंक: 18 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 26 अक्टूबर, 2026

उत्तर प्रदेश में टीजीटी के 17,735 पदों भर्ती का एलान

आनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू, 1 लाख से अधिक मिलेगी सैलरी

लखनऊ,संवाददाता

उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों में नौकरी करने का सपना देखने वाले उम्मीदवारों के लिए एक खुशखबरी है। दरअसल उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने **UPESSC UP TGT Recruitment** 2026 के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। यह नोटिफिकेशन राज्य में कुल 17,735 टीजीटी के पदों पर भर्ती के लिए जारी किया गया है। अधिसूचना के मुताबिक **UP TGT Bharti 2026** के लिए ऑनलाइन आवेदन आज यानी 24 अक्टूबर से शुरू हो गए हैं। उम्मीदवार 23 नवंबर, 2026 तक अपना फॉर्म भर सकेंगे।

रजिस्ट्रेशम फीस

सभी कैटेगरी के उम्मीदवारों को रजिस्ट्रेशन फीस का भुगतान करना होगा। कैटेगरी वाइज रजिस्ट्रेशन फीस अलग–अलग निर्धारित है।
सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस– 1,000 रुपये
एससी/एसटी– 500 रुपये
दिव्यांग– 300 रुपये

आयु–सीमा

- यूपी टीजीटी के पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम उम्र 21 वर्ष और अधिकतम उम्र 62 वर्ष निर्धारित है। उम्मीदवारों की आयु की गणना 01 जुलाई, 2026 के आधार पर की जाएगी।

UP TGT Vacancy 2026 कितने पदों पर होगी भर्ती

- जारी अधिसूचना के मुताबिक टीजीटी के कुल 17,735 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें बालक विद्यालयों के लिए कुल 16193 पद रिक्त और बालिका विद्यालयों के लिए कुल 1542 पद रिक्त है। इसमें जनरल के लिए 6704 पद, एससी के लिए 3698 पद, एसटी के लिए 13 पद, ओबीसी के लिए 4438 पद और ईडब्ल्यूएस के लिए कुल 2882 पद शामिल है।



गोरखपुर को दिवाली पर सीएम योगी का बड़ा तोहफा

1 नवंबर को होगा चौरी चौरा ओवरब्रिज का लोकार्पण
59.44 करोड़ रुपये की लागत से बना ओवरब्रिज
बलिदानी स्मारक का दौरा, जनसभा को संबोधित करेंगे

संवाददाता, गोरखपुर। चौरी चौरा में बने ओवरब्रिज का एक नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री सुबह 10रू30 बजे पहुंचेंगे और एक घंटे चौरी चौरा में रहेंगे। वह बलिदानी स्मारक जाएंगे और जनसभा को भी संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री फुटहवाइनार क्षेत्र में हेलीकाप्टर से उतरेंगे ओर फिर तकरीबन साढ़े तीन किलोमीटर दूर आयोजन स्थल पर सड़क मार्ग से जाएंगे। मुख्यमंत्री के आने की सूचना के बाद प्रशासन, सेतु निगम, लोक निर्माण विभाग और नगर पंचायत ने तैयारी तेज कर दी है। 59 करोड़ 44 लाख रुपये की लागत से चौरी चौरा में ओवरब्रिज का निर्माण हुआ है। पहले लोकार्पण 22 अक्टूबर को किए जाने की तैयारी थी लेकिन अचानक कार्यक्रम रद हो गया। इसके बाद नई तिथि घोषित की गई है। विधायक इं. सरवन निषाद ने बताया कि मुख्यमंत्री का हेलीपैड फुटहवाइनार में लवी जायसवाल के गोदाम परिसर में बन रहा है। यहां से वह कार से भोपा बाजार चमड़ा मंडी के पास नवनिर्मित ओवरब्रिज का उद्घाटन करेंगे। इसके पश्चात बलिदानी स्मारक चौरी चौरा पर जाकर वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। स्मारक के सामने मुख्यमंत्री जनसभा को संबोधित करेंगे। बताया कि ओवरब्रिज बनने से चौरी चौरा के लोगों का आवागमन और सुलभ हो गया है। नगर पंचायत चौरी चौरा के अध्यक्ष सन्नी जायसवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर स्मारक की दीवारों की रंगाई–पोताई कराई गई है।



यूपी में ओवैसी की सियासी दस्तक

मुस्लिम बहुल इलाकों पर ओवैसी की खास नजर | सपा के मुस्लिम-यादव समीकरण में लगा सकती है सेंध



लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पश्चिम से पूर्वांचल तक सियासी दस्तक दे दी है। ओवैसी सपा के इलाकों में चुनावी गणित बदल सकते हैं। मुसलमानों के अधिकार के सवाल पर यह पार्टी पश्चिम से पूर्वांचल तक जनसभाओं के जरिये पार्टी अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रही है। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के बीच ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी अब थर्ड फ्रंट की मुहिम में लग गए हैं। एआईएमआईएम से सपा पहले से दूरी बनाए हुई थी, लेकिन अब दोनों के बीच रिश्ते और तल्ख होते जा रहे हैं। चुनावी नतीजों में यह देखना दिलचस्प होगा कि ओवैसी सपा का नुकसान ही करेंगे या खुद भी कुछ सीटें निकाल पाएंगे।

यूपी पुलिस भर्ती–मृतक आश्रितों को दौड़ में मिलेगी छूट

लखनऊ,संवाददाता। वर्तमान में उपनिरीक्षक व समकक्ष, सहायक परिचालक, आरक्षी व समकक्ष और कर्मचारी पदों की सीधी भर्ती में पुरुष अभ्यर्थियों को 4.8 किलोमीटर दौड़ 25 से 28 मिनट में पूरी करनी होती है। प्रदेश सरकार पुलिस में मृतक आश्रित कोटे के तहत होने वाली भर्तियों में अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देने की तैयारी में है। डीजीपी राजीव कृष्णा ने मृतक आश्रितों को उनकी उम्र के मुताबिक शारीरिक दक्षता परीक्षा (दौड़) में अतिरिक्त समय देने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। गृह विभाग इसे कैबिनेट के सामने पेश करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतक आश्रितों की समस्याओं को देखते हुए भर्ती के नियम सरल बनाने के निर्देश दिए थे। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, डीजीपी ने अपर मुख्य सचिव, गृह को भेजे प्रस्ताव में अर्हकारी शारीरिक दक्षता परीक्षा में समय की छूट देने की सिफारिश की है। इससे पहले उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने भी निर्धारित मानकों में संशोधन का प्रस्ताव उपलब्ध कराया था। बता दें कि मृतक आश्रित कोटे में भर्ती के लिए अधिकतम आयु सीमा निर्धारित नहीं है। इस कारण 60 वर्ष से कम उम्र के आश्रित भी पात्र होते हैं। इसके विपरीत, सीधी भर्ती में उपनिरीक्षक व समकक्ष पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 33 वर्ष और आरक्षी व समकक्ष पदों के लिए 27 वर्ष है। पुलिसकर्मी की असामयिक मृत्यु के समय आश्रित की उम्र 45–50 वर्ष या इससे अधिक होने और दौड़ का अभ्यास नहीं होने से ज्यादातर अभ्यर्थी परीक्षा में सफल नहीं हो पाते।

2017 के फार्मूले पर चुनावी रणनीति की बुनियाद, शाह करेंगे गिले–शिकवे दूर

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शिकरत करने के बहाने गृहमंत्री अमित शाह नब्ज टटोलेंगे। 2017 की तर्ज पर चुनावी रणनीति की बुनियाद तैयार होगी। इस महीने के अंतिम सप्ताह में पीएम मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन समेत कई नेताओं का यूपी दौरा होगा। गृह मंत्री अमित शाह उत्तर प्रदेश के अहम चुनावी समर में पूरी ताकत से उतरने से पहले प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शिकरत करने के बहाने सूबे की सियासी नब्ज टटोलेंगे।

आगामी 30 और 31 अक्टूबर को शाह पार्टी पदाधिकारियों और शीर्ष नेताओं के साथ बैठक कर पहले हालात का जायजा लेंगे। इसके बाद नवंबर में सहयोगी दलों के नेताओं, बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र के संयोजकों और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद के जरिये जमीनी चुनौतियों–कठिनाईयों से रूबरू होंगे। उनकी योजना जीत की हैट्रिक लगाने के लिए दो तिहाई बहुमत दिलाने वाले 2017 के फार्मूले को जमीन पर उतारने की है। दरअसल पश्चिम बंगाल के बाद पंजाब के मोर्चे पर जुटे शाह अब तक उत्तर प्रदेश में सक्रिय नहीं हो पाए थे।

पंजाब में अब शिरोमणि अकाली दल से पार्टी का गठबंधन तय है। इसके अलावा तय रणनीति के मुताबिक नशे के खिलाफ पूरे राज्य में यात्रा जारी है, ऐसे में शाह अब सियासी दृष्टि से सबसे अहम राज्य उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से मोर्चा संभालने के लिए तैयार हैं। पार्टी सूत्रों ने कहा कि इस क्रम में अपने पहले दो दिवसीय दौरे में शाह की योजना पार्टी पदाधिकारियों से फीडबैक हासिल कर प्रदेश का सियासी नब्ज टटोलने की होगी।

नवंबर में बढ़ेगी सक्रियता

नवंबर महीने में गृह मंत्री प्रमुख कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र के संयोजकों से मुलाकात करेंगे। इसी क्रम में उनकी सहयोगी दलों के नेताओं से भी बातचीत होगी।

कई चरण में होने वाली इन मुलाकातों का मकसद पार्टी की मजबूती और कमजोरियों का आकलन करना होगा। सूत्र ने बताया कि 2017 में शाह ने नए सहयोगी दलों के साधने के साथ गैरजाटव दलित और गैरयादव ओबीसी को साधने के लिए विशेष रणनीति तैयार करने के साथ कार्यकर्ताओं की नाराजगी दूर करने की सीधी मुहिम चलाई थी। इस बार भी उनकी योजना जमीनी वस्तुस्थिति से पूरी तरह परिचित होने के बाद रणनीति बनाने की है।



नब्ज टटोलने के बाद जुटेंगे अमित शाह

- 2017 की तर्ज पर तैयार होगी चुनावी रणनीति की बुनियाद
- इस महीने के अंतिम सप्ताह में पीएम, नितिन समेत कई नेताओं का होगा दौरा

गिले–शिकवे दूर करने की होगी कोशिश

इस क्रम में शाह सहयोगियों की नहीं बल्कि प्रमुख कार्यकर्ताओं और नेताओं के गिले शिकवे भी दूर करेंगे। 2017 में शाह ने इसी रास्ते को अपना कर सभी प्रमुख कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर उनकी नाराजगी दूर की थी।

अंतिम हफ्ते बढ़ेगी हलचल

भाजपा की सूबे की राजनीति के लिए इस महीने का अंतिम सप्ताह हलचल भरा होगा। रविवार को प्रधानमंत्री एयर शो के बहाने वाराणसी में होंगे। इस दौरान कई कार्यक्रमों के साथ पीएम खोचवां में स्थानीय महिलाओं से संवाद करेंगे।

सम्पादकीय

संयुक्त राष्ट्र का रवैया

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दाऊद इब्राहिम को भारत आधारित बताया
भारत ने संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाए
दाऊद इब्राहिम दशकों से पाकिस्तान में छिपा हुआ है

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में आतंकी सरगना दाऊद इब्राहिम के गिरोह को भारत आधारित बताए जाने पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। संयुक्त राष्ट्र अपनी महत्ता और विश्वसनीयता किस तरह खो रहा है, इसका ताजा प्रमाण है उसके मानवाधिकार और आतंकवाद–रोधी मामलों के विशेष प्रतिवेदक बेन साल की रिपोर्ट में यह कहा जाना कि आतंकी सरगना दाऊद इब्राहिम का गिरोह भारत आधारित है। इस पर हैरानी नहीं कि इस कारण उसे भारत की फटकार सुननी पड़ी। अपनी इस फजीहत के लिए संयुक्त राष्ट्र स्वयं के अतिरिक्त अन्य किसी को दोष नहीं दे सकता। दाऊद इब्राहिम के बारे में ऐसी भ्रामक और नितांत झूठी जानकारी संयुक्त राष्ट्र के कामकाज के तरीकों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। समझना कठिन है कि आतंकी सरगना के रूप में दुनिया भर में कुख्यात दाऊद को लेकर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिवेदक इस नतीजे पर कैसे पहुंच गए कि वह भारत में सक्रिय है, जबकि पिछले कई दशकों से वह पाकिस्तान में रह रहा है।

भारत समय–समय पर इसके प्रमाण भी उपलब्ध कराता रहा है। इसके अतिरिक्त अमेरिका ने 2023 में दाऊद को वैश्विक आतंकी नामित किया था और उस पर इनाम भी रखा था। अमेरिका का यह भी निष्कर्ष था कि वह कराची में छिपा है। यही भारत कहता रहा है।

दाऊद इब्राहिम को भारत आधारित गिरोह बताने वाली रिपोर्ट आस्ट्रेलिया के प्रोफेसर बेन साल के नेतृत्व में तैयार हुई है। संभव है कि इसे तैयार करने में उन लोगों का भी हाथ हो, जो भारत के प्रति दुराग्रह से ग्रस्त हैं। वैसे खुद बेन साल की विश्वसनीयता भी संदिग्ध है। एक रिपोर्ट के अनुसार उनके कार्यालय को चीन से भारी–भरकम राशि मिली थी। इसके बाद बेन साल ने चीन में उइगर मुसलमानों के अत्याचारों पर बयान जारी करने से इन्कार कर दिया था।

संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद–रोधी मामलों को देखने वालों की ओर से दाऊद के बारे में शरारतपूर्ण रिपोर्ट तैयार किए जाने से यही लगता है कि आतंक के मामले में उन्होंने कामचलाऊ रवैया अपना रखा है। शायद इसका कारण संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न एजेंसियों में पाकिस्तान जैसे कई ऐसे देशों का सक्रिय होना भी है, जो खुले–छिपे रूप से आतंक की पैरवी करते हैं और यह किसी से छिपा नहीं कि चीन किस तरह उसे भारत के खिलाफ अपना मोहरा बनाए हुए है। यह अच्छा हुआ कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र को याद दिलाया कि दाऊद उसी पाकिस्तान में रहता है, जहां ओसामा बिन लादेन पाया गया था। यह चिंताजनक है कि अभी हाल में संयुक्त राष्ट्र की ओर से भारत में हो रहे प्रदर्शनों से निपटने के तरीकों पर भी चिंता जताई गई थी। यह अनावश्यक चिंता थी और इस पर भी उसे भारत के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिरोध से अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी सहमति जताई थी। यदि संयुक्त राष्ट्र अपनी प्रतिष्ठा बचाना चाहता है तो उसे अपना रवैया सुधारना ही होगा।

'वोटर नाम' का घोटाला

चुनाव आयोग की एक और करतूत सामने आई है। इसे मतदाता सूची शुद्धिकरण के नाम पर 'बड़ा घोटाला' करार दिया जा सकता है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया में मतदाताओं के नाम ही बदल दिए गए। अथवा उनके पिता का नाम ही बदल दिया गया। यह करतूत मतदाता सूची के अंतिम संस्करण के प्रकाशन के बाद सामने आई है। ऐसे कई और मामले भी हो सकते हैं कि आम मतदाता आश्वस्त होगा कि अंततरू वह मतदाता बन गया है, सूची में उसका नाम दर्ज हो गया है, लेकिन जब चुनाव होंगे और वह मतदान करने जाएगा, तो सूची में कोई और नाम होगा! वह अपना सिर पीट लेगा। चुनाव अधिकारी से बहस भी करेगा और अपना मतदाता पहचान–पत्र भी दिखाएगा, लेकिन चुनाव अधिकारी के लिए तो मतदाता सूची ही मान्य और वैध दस्तावेज है। देश का मतदाता असहाय है। यह चुनाव आयोग आखिर कर क्या रहा है? उसके मंसूबे क्या हैं? क्या वाकई वह लोकतंत्र को कुतर रहा है? कांग्रेस ने लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कुछ बेहद गंभीर और संवेदनशील खुलासे किए हैं। उप्र की पीलीभीत सदर विधानसभा सीट का ही उदाहरण लें, तो कोई भी चौंक सकता है। इस क्षेत्र में 13,150 मतदाताओं के नाम बदल दिए गए हैं, हालांकि मतदाता पहचान–पत्र के 'एपिक' और सीरियल नंबर यथावत हैं। इस क्षेत्र की मतदाता सूची से 804 नाम गायब कर दिए गए हैं, जबकि वे लोग अब भी वहीं रहते हैं। करीब 2600 ऐसे नाम सूची में जोड़े गए हैं, जो उस क्षेत्र के निवासी ही नहीं हैं। बताया गया है कि एक ही विधानसभा क्षेत्र में 16,554 मतदाताओं के नाम को लेकर गड़बड़झाला किया गया है। इस संदर्भ में कांग्रेस ने प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करा दी है। बेशक यह अवैध और आपराधिक करतूत है, जो मानवीय गलती के कारण हुई या चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर के साथ छेड़छाड़ की गई! जांच–पड़ताल में यह तथ्य भी सामने आया है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में 124 सीटों पर करीब 10,000 मतों से ही जीत–हार हुई थी। जीतने वाले अधिकतर भाजपा उम्मीदवार थे। यदि यह घोटाला न किया जाता, तो चुनाव नतीजे कुछ और ही होते! एक और खोज खबर सामने आई है कि चुनाव आयोग का ईसीआईनेट पोर्टल मुख्यालय से ही 'ऑन–ऑफ' किया जाता है। सभी मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) उसे नहीं देख सकते। जो सॉफ्टवेयर के जरिए पोर्टल में देख सकते हैं, उन्हीं के लिए वह सिस्टम 'ऑन' किया जाता है। क्या इस सिस्टम का भी 'केंद्रीकरण' कर दिया गया है और मतदाताओं के नाम मुख्यालय से ही जोड़े–काटे जाते हैं? 'इंडियन एक्सप्रेस' की खोज–खबर में एक चुनाव आयुक्त ने इस मुद्दे पर भी सवाल उठाया था। हालांकि यह कोई स्थापना या आरोप नहीं, बल्कि हमारा सवाल है। यदि चुनाव आयोग अपनी लंबी चुप्पी तोड़े, तो देश के सामने इस सवाल का स्पष्टीकरण भी दे सकता है।

भागवत को डर

'विजयादशमी' पर्व पर रावण, मेघनाद, कुंभकर्ण के पुतले इस बार भी जलाए गए। खुशफहमी पाल ली गई कि यह अधर्म पर धर्म, बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य, अहंकार पर मर्यादा की जीत है, लेकिन रावण तो हर साल जिंदा हो उठता है। आज भी जिंदा, हमारे बीच है। क्या रावण अजेय, अमर है? उसका दहन नहीं किया जा सकता! दुनिया भर में अशांति, उपद्रव, दंगे, युद्ध, मारकाट, आगजनी और अंततरू विध्वंस का 'रावण' वाकई जिंदा है! जिस यूरोप को अपनी सभ्यता, संस्कृति, सम्पन्नता पर गुरूर होता था, आज उसी के देशों–फ्रांस, अल्बानिया, स्पेन, इटली, बेल्जियम–में जंग और लूटपाट के हालात हैं। अल्बानिया में सुप्रीम कोर्ट को ही आग की लपटों के हवाले कर दिया गया। वे दंगई, हिंसाई 'रावण' नहीं, तो कौन हैं? बेशक आरोप थे कि कोर्ट कथित भ्रष्ट प्रधानमंत्री की मदद कर रही थी। बेशक यह 'रावणत्व' भारत के लिए भी चेतावनी है, लेकिन हमारी सर्वोच्च अदालत पर ऐसा कोई धब्बा नहीं है। हालांकि सात दशकों के स्वतंत्र भारत में मजदूरों, किसानों, शिक्षकों, आदिवासियों आदि ने अनगिनत आंदोलन किए हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ, 'नर्मदा बचाओ' पर, जल–संकट को लेकर भी आंदोलन किए गए हैं। लोकतंत्र में आंदोलन अनिवार्य और अपरिहार्य हैं, लेकिन आज तक किसी स्थानीय, जिला अदालत को भी आग के हवाले करने का 'रावणत्व' सामने नहीं आया है। सरसंघचालक मोहन भागवत ने 'दशहरा' पर अपने परंपरागत उद्बोधन में इसी 'रावण' का मुद्दा उठाया है और साफ कहा है कि आसुरी ताकतें भारत का भी विखंडन चाहती हैं। भारतीयता को नष्ट करने की कोशिशें भी जारी हैं। दरअसल वे ताकतें भारत का प्रभुत्व, विकास, उभार देखना ही नहीं चाहतीं। कौन हैं वे आसुरी ताकतें? न तो सरसंघचालक ने नामों का खुलासा किया है और न ही सरकार बताना चाहती है। सरकार और उसके पैरोकार 'भेडिया आया' ही चिल्लाते रहते हैं। क्या भागवत भी 'रावणत्व' से डरते हैं? आखिर कौन हैं वे 'रावणत्व' वाली ताकतें, जो भारत को तोडने में जुटी हैं? सरसंघचालक भागवत ने यह भरोसा जरूर जताया है और विश्व को साफ संदेश दिया है कि भारत को कभी भी फ्रांस, अल्बानिया, इटली अथवा नेपाल, बांग्लादेश नहीं बनाया जा सकता, क्योंकि भारत हमारी आत्मा में बसा है। भारत में व्यापक विविधता है, फिर भी राष्ट्र के तौर पर एकता, अखंडता है। यह एकजुटता निस्वार्थ है, लेकिन देश में संजय राउत सरीखे 'रावण' भी हैं। उन्होंने अल्बानिया की जलती सुप्रीम कोर्ट का संदर्भ साझा किया और कहा कि खासकर भारत को सबक सीखना चाहिए। क्या उद्धव ठाकरे की शिवसेना का यह राज्यसभा सांसद हमारी सर्वोच्च अदालत और उसके जरिए भारत की मोदी सरकार को धमकी दे रहा है? वैसे संजय राउत एक कुंठित, बेलगाम, दुराग्रही नेता हैं, लिहाजा उनके बयान का जिक्र ही काफी है।

बदल रही युवाओं के करियर की दिशा

पहले इंजीनियरिंग छात्रों की पहली पसंद कंप्यूटर साइंस थी, लेकिन अब बुनियादी ढांचे के विस्तार और सेमीकंडक्टर उद्योगों में निवेश के कारण पारंपरिक इंजीनियरिंग शाखाओं में रुचि बढ़ रही है। पिछले कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग की दुनिया में यह धारणा लगभग स्थापित हो गई थी कि अच्छे अंक हासिल करने वाले छात्रों की पहली पसंद कंप्यूटर साइंस होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कोडिंग और आइटी क्षेत्र के तेज विस्तार ने सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल जैसी पारंपरिक शाखाओं को धीरे–धीरे पीछे धकेल दिया था, पर अब तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है। भारत में बुनियादी ढांचे के विस्तार और सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक उद्योगों में बढ़ते निवेश ने युवाओं के करियर विकल्पों को नई दिशा देना शुरू कर दिया है। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 जैसी पहल केवल आर्थिक विकास की योजनाएं नहीं, बल्कि रोजगार और कौशल की मांग को भी बदल रही हैं।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भारत में बुनियादी ढांचे की योजना बनाने के तरीके को बदलने की कोशिश है। इसके तहत सड़क, रेलवे, बंदरगाह, बिजली, नागर विमानन और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों को अलग–अलग विकसित करने के बजाय उन्हें एक साझा योजना के तहत जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। अब तक इसने करीब 18.66 लाख करोड़ रुपये की 396 बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं का मूल्यांकन किया है। इनमें से 256 परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है और 198 पर निर्माण कार्य चल रहा है। इस मंच से 58 केंद्रीय मंत्रालय और सभी राज्य तथा केंद्रशासित प्रदेश जुड़े हैं। इस तरह के समन्वित निवेश का असर केवल सड़कों और रेलवे लाइनों की संख्या बढ़ने तक सीमित नहीं रहता। जब राजमार्ग, औद्योगिक गलियारे, बिजली नेटवर्क, बंदरगाह और गोदाम बेहतर तालमेल के साथ विकसित होते हैं तो निर्माण मजदूरों से लेकर सिविल–मैकेनिकल इंजीनियरों, सर्वेक्षकों, परियोजना प्रबंधकों और तकनीकी विशेषज्ञों तक–हर स्तर पर कुशल मानव संसाधन की मांग बढ़ती है। आइआइएम बेंगलुरु के एक अध्ययन के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर खर्च किया गया प्रत्येक एक रुपया जीडीपी में 3.2 रुपये तक की वृद्धि कर सकता है। इसी तालमेल का नतीजा है कि देश की लाजिस्टिक्स लागत, जो कभी जीडीपी के 13–14 प्रतिशत के आसपास हुआ करती थी, अब घटकर करीब 7.9 प्रतिशत रह गई है। यानी बेहतर बुनियादी ढांचा केवल आवागमन आसान नहीं बनाता, बल्कि उद्योगों की लागत घटाकर आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है। आज दुनिया की आधुनिक अर्थव्यवस्थाएं सेमीकंडक्टर के बिना नहीं चल सकतीं। मोबाइल फोन और कारों से लेकर रक्षा उपकरणों और एआइ तक, लगभग हर आधुनिक तकनीक चिप पर निर्भर है। ऐसे में भारत लंबे समय तक केवल चिप का उपभोक्ता बने रहने के बजाय इस क्षेत्र में अपनी क्षमता विकसित करना चाहता है। इसके लिए हाल में सरकार ने सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 को मंजूरी दी।

> **कंप्यूटर साइंस के बजाय कोर इंजीनियरिंग में छात्रों की बढ़ती रुचि**
> **पीएम गति शक्ति से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में रोजगार के अवसर**
> **सेमीकंडक्टर मिशन से तकनीकी विशेषज्ञों की भारी मांग बढ़ेगी**

इसके तहत अब तक छह राज्यों में 12 परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है, जिनमें सिलिकान फैब, कंपाउंड सेमीकंडक्टर इकाइयां और असेंबली तथा टेस्टिंग इकाइयां शामिल हैं, लेकिन सेमीकंडक्टर उद्योग केवल फैक्ट्रियां लगाने से विकसित नहीं होगा। इसके लिए बड़ी संख्या में प्रशिक्षित इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों की भी जरूरत होगी। 2026–27 के लक्ष्यों के अनुसार, सेमीकंडक्टर उद्योग में हजारों प्रत्यक्ष उच्च–कौशल रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। सरकार की स्मार्टलैब पहल के तहत एक लाख इंजीनियरों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 62,000 का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव योजना के तहत 105 भारतीय कंपनियों को चिप डिजाइन से जुड़े अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन नीतिगत बदलावों का असर अब इंजीनियरिंग कालेजों में छात्रों की पसंद पर भी दिखाई देने लगा है। बीते डेढ़ दशक में कंप्यूटर साइंस का दबदबा इतना बढ़ गया था कि सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल जैसी शाखाएं कई छात्रों के लिए दूसरा विकल्प बन गई थीं, पर अब सिविल एव मैकेनिकल इंजीनियरिंग में भी आइआइटी जैसे संस्थानों में बेहतर रैंक वाले छात्रों की रुचि बढ़ी है। इसकी वजह सिर्फ बाजार का उतार–चढ़ाव नहीं, बल्कि दो ठोस कारण हैं। पहला, एआइ के बढ़ते असर ने खुद पारंपरिक आईटी नौकरियों को लेकर नई बहस छेड़ दी है, जिससे कई छात्र मशीनों, उत्पादन और भौतिक दुनिया से जुड़े क्षेत्रों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। दूसरा, गति शक्ति, सेमीकंडक्टर मिशन, रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता और मेक इन इंडिया जैसी दीर्घकालिक नीतियां वाकई कोर इंजीनियरों की मांग बढ़ा रही हैं। युवाओं के सोच में यह बदलाव किसी अस्थायी ट्रेंड का नहीं, बल्कि जमीनी नीतिगत हकीकत का असर है।

अब करियर का चुनाव इस आधार पर हो कि दस–पंद्रह वर्षों में किन कौशलों की जरूरत होगी। भारत जिस तरह सड़क, रेल, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रानिक्स और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में निवेश कर रहा है, उससे साफ है कि भविष्य में अच्छे साफ्टवेयर इंजीनियरों की जरूरत जितनी बनी रहेगी, उतनी ही जरूरत उन इंजीनियरों की भी होगी जो सड़कें, पुल बनाएंगे, मशीनें डिजाइन करेंगे, बिजली प्रणालियां मजबूत करेंगे और दुनिया के लिए चिप तैयार करेंगे।

प्रमुख प्रत्याशियों के गृह जिलों में कम मतदान से बदलेंगे समीकरण

गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के 17 जिलों में मतदान के आंकड़ों में अंतर दिखाई दिया मऊ में सबसे कम 73.88 और बलरामपुर में सर्वाधिक 89.31 प्रतिशत वोट पड़े







शिक्षक एमएलसी चुनाव

17 जिलों में मतदान के आंकड़ों में दिखा अंतर

मऊ में सबसे कम 73.88, बलरामपुर में सर्वाधिक 89.31% पड़े वोट



गोरखपुर,संवाददाता। शिक्षक एमएलसी चुनाव में प्रमुख प्रत्याशियों के गृह जिलों में कम मतदान से समीकरण बदल सकते हैं। गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के 17 जिलों में मतदान के आंकड़ों में अंतर दिखाई दिया। मऊ में सबसे कम 73.88 और बलरामपुर में सर्वाधिक 89.31 प्रतिशत वोट पड़े। गोरखपुर–फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन में मतदान के आंकड़ों ने प्रत्याशियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चुनाव में कुल 79.01 प्रतिशत मतदान हुआ है, लेकिन प्रमुख दावेदारों के गृह जिलों में मतदान का प्रतिशत कम रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मतों के इस अंतर से चुनावी समीकरण बदल सकते हैं। हालांकि कम मतदान का सीधा असर किसी प्रत्याशी की जीत या हार पर पड़ेगा, यह कहना जल्दबाजी होगी। चुनाव में सभी 17 जिलों में भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी और सपा से डॉ. संजयन त्रिपाठी को अच्छा समर्थन मिला है। लेकिन इन दोनों प्रत्याशियों के गृह जनपद में वोट का ग्राफ कम रहा है।

ध्रुव कुमार त्रिपाठी के गृह जिले सिद्धार्थनगर में 76.86 प्रतिशत तो डॉ. संजयन के गृह जिले गोरखपुर में मतदान का प्रतिशत भी 76.84 प्रतिशत दर्ज किया गया। शुरुआती विवरण में यह आंकड़ा 76.77 प्रतिशत बताया गया था। इसी तरह निर्दलीय प्रत्याशी और पिछले चुनाव में दूसरे नंबर पर रहे अजय सिंह आजमगढ़ के रहने वाले हैं और यहां भी वोट का प्रतिशत 73.98 जबकि अजीत सिंह के गृह जनपद मऊ में 73.88 प्रतिशत मतदान हुआ है। नीतिक विश्लेषक एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य अमित उपाध्याय कहते हैं कि प्रत्याशियों के गृह जनपद में कम मतदान का असर जरूर पड़ेगा। इस चुनाव में नया ट्रेंड यह देखने को मिला है कि पुरानी पेंशन योजना की मांग को छोड़ दें तो सभी प्रमुख प्रत्याशियों के एजेंडे अलग–अलग थे। इससे भी मतदाता भ्रमित हुए हैं और कम मतदान की एक वजह यह हो सकती है। हालांकि पिछली बार से ओवरऑल मतदान का प्रतिशत करीब पांच फीसदी बढ़ा है। इसका लाभ राजनीतिक दल के प्रत्याशियों को मिल सकता है।

बस्ती और संतकबीरनगर में अधिक मतदान

गोरखपुर–बस्ती मंडल के जिलों में बस्ती में 86.45 प्रतिशत मतदान हुआ। संतकबीरनगर में 86.30 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। कुशीनगर में 84.15 प्रतिशत, महराजगंज में 81.33 प्रतिशत और देवरिया में 80.53 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसके मुकाबले गोरखपुर में 76.84 और सिद्धार्थनगर में 76.86 प्रतिशत मतदान हुआ। पूरे निर्वाचन क्षेत्र के 17 जिलों में भी मतदान का ग्राफ अलग–अलग रहा। मऊ में सबसे कम 73.88 प्रतिशत और बलरामपुर में सबसे ज्यादा 89.31 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।



गोरखपुर–संतकबीरगर में नोकझोंक व विरोध

संतकबीरनगर के मेंहदावल मतदान केंद्र पर तीन सेवानिवृत शिक्षकों के मतदान को लेकर विवाद की स्थिति बनी। सपा के एजेंट ने उनके मतदान पर आपत्ति जताई। बाद में अधिकारियों के हस्तक्षेप से तीनों शिक्षकों को वोट डालने का अवसर मिला। गोरखपुर के कुछ बूथों पर भी हल्की नोकझोंक हुई लेकिन प्रशासन ने स्थिति संभाल ली।

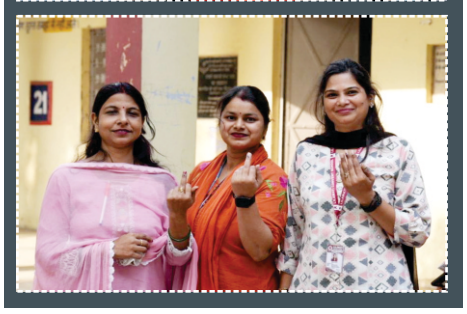
मतदान की एक
झलक











गोरखपुर से नोएडा के जेवर एयरपोर्ट के लिए 27 अक्तूबर से सीधी उड़ान, इंडिगो शुरू करेगी सेवा

गोरखपुर,संवाददाता। इंडिगो की बंगलूरू से गोरखपुर आने वाली उड़ान और गोरखपुर से कोलकाता के लिए प्रस्थान करने वाली उड़ान का संचालन एक मार्च 2027 से निर्धारित है। ऐसे में शीतकालीन कार्यक्रम की शुरुआत में कोलकाता के लिए सीधी उड़ान उपलब्ध नहीं रहेगी। गोरखपुर से नोएडा के जेवर स्थित एयरपोर्ट के लिए 27 अक्तूबर से सीधी उड़ान सेवा शुरू होने जा रही है। इंडिगो की ओर से इस रूट पर विमान का संचालन किया जाएगा। इससे गोरखपुर और आसपास के जिलों के यात्रियों को जेवर एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए सीधी हवाई सुविधा मिलेगी। हालांकि, कोलकाता के लिए फिलहाल सीधी उड़ान उपलब्ध नहीं होगी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गोरखपुर एयरपोर्ट के लिए शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम 2026–27 को मंजूरी दे दी है। यह कार्यक्रम 25 अक्तूबर 2026 से 27 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगा। जारी शेड्यूल के अनुसार, गोरखपुर से दिल्ली, बंगलूरू, मुंबई, हैदराबाद और नवी मुंबई समेत प्रमुख शहरों के लिए उड़ानें निर्धारित की गई हैं। इन सेवाओं का संचालन इंडिगो, अकासा एयर और स्पाइसजेट की ओर से किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, जेवर एयरपोर्ट से इंडिगो का विमान दोपहर 2रू05 बजे गोरखपुर पहुंचेगा और यहां से 2:30 बजे वापस उड़ान भरेगा।



इस सेवा के शुरू होने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। वहीं, इंडिगो की बंगलूरू से गोरखपुर आने वाली उड़ान और गोरखपुर से कोलकाता के लिए प्रस्थान करने वाली उड़ान का संचालन एक मार्च 2027 से निर्धारित है। ऐसे में शीतकालीन कार्यक्रम की शुरुआत में कोलकाता के लिए सीधी उड़ान उपलब्ध नहीं रहेगी।

दो उड़ानों की मंजूरी का इंतजार

एयरपोर्ट निदेशक संजय कुमार के मुताबिक, स्पाइसजेट की दिल्ली–गोरखपुर–दिल्ली और अकासा एयर की मुंबई–गोरखपुर–मुंबई उड़ान सेवाओं का संचालन भी संभावित है। इन सेवाओं के लिए अभी अंतिम मंजूरी की प्रतीक्षा है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि यात्रा से पहले संबंधित एयरलाइन से उड़ान की उपलब्धता और समय की पुष्टि अवश्य कर लें।

सऊदी अरब में मौत

दम्माम एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले में गोरखपुर के कमलेश की गई जान, पत्नी और बेटियों का बुरा हाल

गोरखपुर,संवाददाता। सऊदी अरब के दम्माम एयरपोर्ट पर 21 अक्तूबर को हुए ड्रोन हमले में गोरखपुर के कमलेश पांडेय की मौत हो गई। परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य के जाने से पत्नी, दो बेटियों और बुजुर्ग माता–पिता पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सऊदी अरब के दम्माम एयरपोर्ट पर 21 अक्तूबर को हुए ड्रोन हमले में बांसगांव क्षेत्र के किशुनपुर उर्फ बगही निवासी कमलेश पांडेय की मौत हो गई। इसकी खबर गांव पहुंचते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई। परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य की मौत से पत्नी, दो बेटियों और बुजुर्ग माता–पिता पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। स्वजन उनके शव के घर आने का इंतजार कर रहे हैं। हरिश्चंद्र पांडेय के बेटे कमलेश पिछले तीन वर्षों से सऊदी अरब के दम्माम एयरपोर्ट के अंदर बस चलाने का काम कर रहे थे। वह बीच–बीच में घर आते रहते थे। पांच महीने पहले ही वह दोबारा सऊदी अरब गए थे। इसी दौरान 21 अक्तूबर को एयरपोर्ट पर हुए ड्रोन हमले में उनकी जान चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। माता–पिता का रो–रोकर बुरा हाल है, वहीं पत्नी सुनीता की हालत देखकर गांव के लोग भी गमगीन हैं। कमलेश अपने पीछे पत्नी सुनीता और दो बेटियों तान्वी व तान्या को छोड़ गए हैं। चार भाइयों में वह दूसरे नंबर पर थे। उनके पिता किसान हैं। परिवार में एक भाई अंडमान–निकोबार में नौकरी करते हैं, जबकि दो अन्य भाई खेती–किसानी में पिता का हाथ बंटाते हैं। कमलेश की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

बोले- संवेदनशीलता से करें हर पीड़ित की मदद


गोरखपुर में बछड़े को गुड़ मिलाते हुए सीएम योगी

गोरखपुर,संवाददाता। जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अधिकारियों को उपचार का एस्टीमेट जल्द तैयार कराकर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए उसकी समस्या का त्वरित और संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनकल्याण और नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है। गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं लोगों के पास पहुंचे और एक–एक कर उनकी शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने जमीन पर अवैध कब्जा करने और कमजोर लोगों को उजाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने को कहा। पारिवारिक संपत्ति विवादों में संबंधित पक्षों से बातचीत कर समाधान निकालने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों का निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ निस्तारण करने पर जोर दिया। साथ ही सरकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ दिलाने के निर्देश दिए।


जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते सीएम योगी

इलाज के लिए आर्थिक मदद मांगने वालों को दिया भरोसा

जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री ने उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अधिकारियों को उपचार का एस्टीमेट जल्द तैयार कराकर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा जरूरतमंदों से आयुष्मान कार्ड के बारे में जानकारी ली और कार्ड नहीं होने पर पात्र लोगों के कार्ड बनवाने को कहा। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ आई महिलाओं से भी मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

गोशाला में गोवंश को खिलाई रोटी–गुड़, बच्चे का कराया अन्नप्राशन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश को दुलारा और अपने हाथों से रोटी–गुड़ खिलाया। मंदिर परिसर में परिजनों के साथ आए बच्चों से बातचीत की, उन्हें चॉकलेट दी और खूब पढ़ने का आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने एक बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया।

सीएम योगी ने विजयादशमी शोभायात्रा रोककर एंबुलेंस को दिया रास्ता

मानवता की मिसाल


सीएम योगी ने विजयादशमी शोभायात्रा रोककर एंबुलेंस को दिया रास्ता

गोरखपुर,संवाददाता। मौके पर मौजूद लोगों ने भी सहयोग करते हुए एंबुलेंस को निकलने का रास्ता दिया। इस दौरान मरीज को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सके, इसे प्राथमिकता दी गई। गोरखनाथ मंदिर से निकल रही शोभायात्रा के दौरान मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल देखने को मिली। मंदिर के मुख्य गेट के पास एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए शोभायात्रा कुछ देर के लिए रोक दी गई। रास्ता खाली होते ही एंबुलेंस को सुरक्षित आगे जाने दिया गया। इसके बाद शोभायात्रा फिर से आगे बढ़ी।शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था के बीच एंबुलेंस के पहुंचने पर तत्काल रास्ता उपलब्ध कराया गया। मौके पर मौजूद लोगों ने भी सहयोग करते हुए एंबुलेंस को निकलने का रास्ता दिया।

गोरखपुर में खुलेगा लग्जरी का नया ठिकाना

रामगढ़ताल के सामने बनेंगे 300 शानदार लेक व्यू फ्लैट्स
एचपीजीके और गैलेंट ग्रुप ने किया समझौता
रामगढ़ताल के सामने बनेंगे 300 लग्जरी फ्लैट
परियोजना में मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं और लेक व्यू

संवाददाता, गोरखपुर। रामगढ़ताल के सामने लग्जरी आवास की नई परियोजना विकसित करने के लिए एचपीजीके इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड और गैलेंट ग्रुप ने हाथ मिलाया है। दोनों समूह पांच एकड़ भूमि पर करीब 300 लग्जरी फ्लैट बनाएंगे।

पाम पैराडाइज से सटी इस भूमि पर लगभग नौ लाख वर्ग फुट निर्माण प्रस्तावित है। रेरा से अनुमोदन के बाद निर्माण शुरू होगा। गैलेंट ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक चंद्र प्रकाश अग्रवाल और एचपीजीके ग्रुप के चेयरमैन अतुल सराफ ने इस संबंध में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। चंद्र प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि एचपीजीके जैसे प्रतिष्ठित और विश्वसनीय समूह के साथ साझेदारी गुणवत्तापूर्ण विकास के नए अवसर खोलेगी और गोरखपुर के विकास को नई ऊंचाई देगी।

अतुल सराफ ने इसे दो मजबूत और पारदर्शी सोच वाले व्यावसायिक समूहों का संगम बताया। उन्होंने कहा कि दोनों समूह भरोसे और निरंतर प्रगति की नींव पर काम करते हैं। परियोजना में पर्याप्त ढकी हुई पार्किंग, आधुनिक सुविधाएं, अलग क्लब हाउस, आक्सीजन पार्क और टहलने व जागिंग के लिए पथ विकसित किए जाएंगे।

गोरखपुर में अफसरों ने मोड़ा मुंह

कुम्हार टोली में जलभराव से परेशान थे नागरिक।
सेतु निगम ने नहीं सुनी पानी निकासी की गुहार।
जनता ने खुद नाले की दीवार तोड़कर समाधान किया।

संवाददाता, गोरखपुर। हड़हवा फाटक रोड पर कुम्हार टोली में जलभराव की समस्या के समाधान की गुहार लगाते हुए जनता ने कई पत्र लिखे, लेकिन सेतु निगम की फाइलों की ढेर ने उनकी कलम कुचल दी। अगस्त से लगातार होती गुहार नक्कारखाने में तूती की आवाज साबित हुई, तो जनता को खुद मोर्चा लेना पड़ा। नागरिकों ने रविवार दोपहर खुद ही फावड़ा थाम लिया। सेतु निगम के नाले की दीवार में बड़ी जगह बना दी। इसके बाद मोहल्लों का पानी तेजी से निकलने लगा। नागरिकों का नेतृत्व पार्षद ऋषि मोहन वर्मा ने किया। पार्षद ने बताया कि हड़हवा फाटक कुम्हार टोली में सेतु निगम की ओर से नाला बनाए जाने के बाद जलभराव की समस्या गहराने लगी थी। पिछले दिनों हुई वर्षा के दौरान कई मोहल्लों में जलभराव हो गया था। 22 अगस्त को नगर आयुक्त अजय जैन व नगर निगम के मुख्य अभियंता अमित शर्मा को पत्र लिखकर सेतु निगम के अधिकारियों से हस्तक्षेप कर कार्रवाई की मांग की गई थी। इसके बाद नगर निगम के अधिशासी अभियंता ने 16 सितंबर को सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक को पत्र लिखकर नाले की दीवार में बड़ी जगह बनाने को कहा था।

गोरखनाथ मंदिर से रामलीला मैदान तक निकली सीएम योगी की विजयादशमी शोभायात्रा



गोरखपुर,संवाददाता। मंदिर से शोभायात्रा आगे बढ़ने पर मुस्लिम और बुनकर समाज के लोगों ने पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी कैफुलवरा ने माल्यार्पण कर गोरक्षपीठाधीश्वर का अभिनंदन किया। विजयादशमी के अवसर पर गोरखपुर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पारंपरिक विजयादशमी शोभायात्रा निकाली गई। गोरखनाथ मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा ढोल–नगाड़ों, तुरही, नागफनी और डमरू की गूंज के बीच मानसरोवर मंदिर होते हुए मानसरोवर रामलीला मैदान पहुंची। रास्ते में जगह–जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुस्लिम, बुनकर और सिंधी समाज के लोगों ने भी शोभायात्रा का अभिनंदन किया। रामलीला मैदान में मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम का राजतिलक किया और प्रभु श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण व हनुमानजी की पूजा–अर्चना कर आरती उतारी।

गुरु गोरखनाथ की पूजा के बाद रथ पर सवार हुए सीएम योगी

नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार विजयादशमी पर गोरखनाथ मंदिर में विशेष अनुष्ठान के बाद शोभायात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ की पूजा–अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद वह महंत के पारंपरिक परिधान में फूलों से सजे विशेष रथ पर सवार होकर शोभायात्रा में शामिल हुए।शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। नाथपंथ के पारंपरिक वाद्ययंत्रों और बैंड–बाजे की धुन के बीच यात्रा आगे बढ़ी। हनुमान दल के बालकों ने भी अपने करतब दिखाए। रास्ते के दोनों ओर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग मुख्यमंत्री की एक झलक पाने के लिए मौजूद रहे।

मुस्लिम और बुनकर समाज ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

गोरखनाथ मंदिर से शोभायात्रा आगे बढ़ने पर मुस्लिम और बुनकर समाज के लोगों ने पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी कैफुलवरा ने माल्यार्पण कर गोरक्षपीठाधीश्वर का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने उनका अभिवादन स्वीकार किया और उन्हें शारदीय नवरात्र के अनुष्ठान का प्रसाद दिया। चौधरी कैफुलवरा के मुताबिक, उनका परिवार कई पीढ़ियों से गोरक्षपीठाधीश्वर की विजयादशमी शोभायात्रा का स्वागत करता आ रहा है। इसके बाद बुनकर वेलफेयर सोसायटी की ओर से उत्तर प्रदेश हज कमेटी के सदस्य जुनैद अहमद अंसारी, अजीजुल हई समेत अन्य लोगों ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान आसपास के मकानों से महिलाएं और बच्चे भी शोभायात्रा की तस्वीरें लेते नजर आए।

सिंधी समाज ने भी बरसाए फूल

श्री झूलेलाल मंदिर के पास सिंधी समाज के लोगों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। पूरे मार्ग पर जगह–जगह लोगों ने फूल बरसाकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। शोभायात्रा के दौरान जय श्रीराम के जयघोष से माहौल गूंजता रहा।

मानसरोवर मंदिर में किया महादेव का अभिषेक

शोभायात्रा मानसरोवर मंदिर पहुंची तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर में स्थापित देव विग्रहों की वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा–अर्चना की। उन्होंने भगवान शिव का अभिषेक भी किया। इसके बाद रामलीला मैदान के बाहर संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

भगवान श्रीराम का राजतिलक कर उतारी आरती

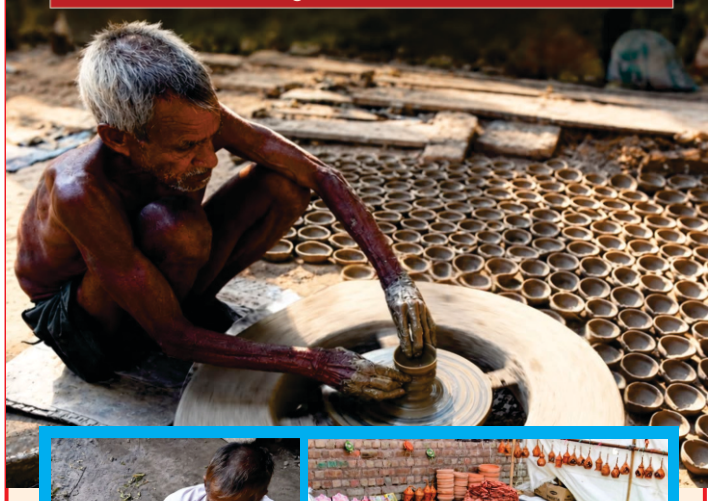
मानसरोवर रामलीला मैदान पहुंचने पर मुख्यमंत्री का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। यहां चल रही रामलीला के दौरान उन्होंने भगवान श्रीराम का राजतिलक किया। इसके बाद प्रभु श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण और हनुमानजी की पूजा–अर्चना कर आरती उतारी। इसके साथ ही गोरक्षपीठ की विजयादशमी की पारंपरिक धार्मिक गतिविधियां संपन्न हुईं।

–लखनऊ

दिवाली से पहले मिट्टी के

दीयों की तैयारी

शुरू हो गई है...







सहयोगी पार्टियों की नाराजगी को दूर करेंगे अमित शाह

लखनऊ दौरे में बन सकते हैं नए राजनीतिक समीकरण



लखनऊ दौरे में सहयोगी दलों की नाराजगी कम करने की कोशिश करेंगे अमित शाह

लखनऊ,संवाददाता। भाजपा ने एमएलसी और राज्यसभा चुनाव में तमाम नए प्रत्याशी उतारे जिसकी वजह से कई जगहों पर असंतोष के सुर उठने लगे हैं। इसके अलावा सहयोगी दलों में भी नाराजगी है। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव से पहले सहयोगी दलों के बदलते तेवरों पर नजर बनाए हुए है। खासकर निषाद पार्टी के बदले सुरों ने पार्टी को असहज किया है। वहीं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी में लगातार जारी बगावत भी एनडीए के लिए मुश्किल का सबब बन सकती है। गोरखपुर में भाजपा एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने एमएलसी चुनाव में सपा प्रत्याशी का खुलेआम समर्थन कर अपना रुख साफ कर दिया है। अब 30 अक्तूबर को राजधानी आ रहे केंद्रीय मंत्री अमित शाह सहयोगी दलों के साथ समन्वय कर सकते हैं। दरअसल, विधानसभा चुनाव के नजदीक आने के साथ एनडीए के कुछ दल दबाव बनाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

निषाद पार्टी के अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद ने तो दिल्ली में आयोजित रैली में अलग राह चुनने की चेतावनी तक दे दी है। वहीं, समाजवादी पार्टी लगातार सुभासपा के नेताओं को अपने पाले में कर ओमप्रकाश राजभर की सियासी जमीन कमजोर करने की कवायद में लगी है।

ये कैसी सजा–हवालात में आरोपी की मौत 19 दिन बाद निलंबित इंस्पेक्टर की थाने में वापसी

देवरिया,संवाददाता। खुखुंदू थाने की हवालात में गांजा बरामदगी के आरोपी की मौत के बाद निलंबित हुए तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह को महज 19 दिन बाद दोबारा थाने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल गई है।

उन्हें सलेमपुर कोतवाली का अपराध निरीक्षक बनाया गया है। यह तैनाती ऐसे समय हुई है, जब हवालात में मौत के मामले में राज्य मानवाधिकार आयोग ने डीएम से जांच रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट देने की समयसीमा चार दिसंबर निर्धारित है। इस बीच राहुल सिंह को दोबारा जिम्मेदारी सौंपे जाने को लेकर पुलिस विभाग में चर्चा शुरू हो गई है। अमरोहा जिले के अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के फरीदपुर निवासी 38 वर्षीय बृजपाल उर्फ विक्की डीसीएम चालक थे। दो अक्तूबर को खुखुंदू–नूनखार मार्ग पर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने उन्हें गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, डीसीएम में चावल की भूसी के बीच करीब 1.40 क्विंटल गांजा बरामद हुआ था। इसके बाद बृजपाल को खुखुंदू थाने की हवालात में रखा गया था।

तीन अक्तूबर की सुबह बृजपाल हवालात में फंदे से लटके मिले। पुलिस उन्हें मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने आत्महत्या का दावा किया था, जबकि परिजनों ने शुरुआत में पिटाई से मौत होने का आरोप लगाया था। हालांकि, बाद में परिजन शांत हो गए।

नीले ड्रम वाले मुस्कान और साहिल ने मृत्युदंड के फैसले को हाई कोर्ट में दी चुनौती



संवाददाता, मेरठ। नीला ड्रम के नाम से चर्चित सौरभ हत्याकांड के दोषी साहिल और मुस्कान ने हाईकोर्ट में अपील कर निचली अदालत के मृत्युदंड के फैसले को चुनौती दी है। हालांकि, निचली अदालत द्वारा सुनाई गई उनकी फांसी की सजा को अब तक हाईकोर्ट की स्वीकृति नहीं मिली है। वहीं, अमित हत्याकांड में फांसी की सजा पा चुके अमरदीप और रविता भी अपील की तैयारी कर रहे हैं। जेल प्रशासन को भी उनकी अपील के बारे में जानकारी मिल चुकी है। ब्रह्मपुरी में तीन मार्च 2025 को सौरभ राजपूत की हत्या कर शव को नीले ड्रम में सीमेंट से जमा दिया गया था। इस वारदात को सौरभ की पत्नी मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला ने अंजाम दिया था। जिला जज की अदालत ने मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को 14 अक्टूबर को मृत्युदंड सुनाया था।

कोर्ट ने मुस्कान और साहिल को दी फांसी की सजा

अब दोनों जेल में बतौर कैदी रह रहे हैं। जिला जज अरविंद कुमार मिश्र की अदालत ने साहिल मुस्कान को फांसी की सजा सुनाई थी। 165 पन्नों के आदेश की मंजूरी लेने के लिए हाईकोर्ट में भिजवाया गया है। अभी तक हाईकोर्ट की स्वीकृति नहीं मिल पाई है। गुरुवार को सीनियर अधिवक्ता सुशील शुक्ला की तरफ से मुस्कान और साहिल की तरफ से हाईकोर्ट में अपील की गई। सुशील शुक्ला ने बताया कि साहिल और मुस्कान ने उन्हें अपने अधिवक्ता की स्वीकृति प्रदान की है। उसके बाद ही हाईकोर्ट में निचली अदालत के निर्णय को चुनौती देने के लिए अपील कर गई है। अभी तक सुनवाई की तिथि निश्चित नहीं हो सकी है। वहीं, अमित हत्याकांड में भी अपर जिला जज जयवीर नागर की तरफ से पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को मृत्युदंड दिया गया था। उक्त दोनों दोषियों की तरफ से भी हाईकोर्ट में अपील की तैयारी की जा रही है। 12 अप्रैल 2025 की रात अमित की गला दबाकर हत्या की गई थी। घटना को हादसा दिखाने के लिए शव पर सांप छोड़ दिया गया था।

फर्जी टेलीकाम एक्सचेंज–लोन वसूली के नाम पर धमकियां

आगरा,संवाददाता। आवास विकास कॉलोनी स्थित सत्यम प्लाजा में पुलिस और एसओजी ने कथित अवैध टेलीकॉम एक्सचेंज का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, सिम बॉक्स के जरिए इंटरनेट कॉल को स्थानीय कॉल में बदलकर ऋण लेने वालों और उनके रिश्तेदारों को धमकाया जाता था; मामले से जुड़े 31 संदिग्ध नंबरों की शिकायत भी मिली थी। लोगों को साइबर धोखाधड़ी और फर्जी कॉल से बचाने के लिए दूरसंचार विभाग ने चक्षु पोर्टल की सुविधा दी है। इस पर एक महीने में 31 संदिग्ध नंबरों की शिकायत मिली। ऋण लेने वाले और उनके रिश्तेदारों को धमकाया जा रहा था।

इस बारे में विभाग की निदेशक खुशबू शर्मा ने पुलिस को अवगत कराया। पुलिस ने छानबीन की। इस पोर्टल पर 30 दिन के अंदर बैंक धोखाधड़ी, ई वालेट, सिम कार्ड, गैस एवं बिजली कनेक्शन, केवाईसी सहित अन्य साइबर अपराध की शिकायत की जा सकती है। पुलिस ने बताया कि वीवी एंटरप्राइजेज के नाम से बनाई गई फर्म सहारनपुर की महिला के नाम पर पंजीकृत है। उसका देवर फर्म संचालित करता है। कई खातों की जानकारी भी मिली है। भारतीय फाइनेंस कंपनियों से अनुबंध की बात मैनेजर ने कही है। उन्हें दस्तावेज दिखाने के लिए पुलिस ने कहा है। पुलिस पता कर रही है कि सिम बाक्स को वेंडर कहां से लेकर आते हैं। डीसीपी साइबर क्राइम आदित्य सिंह ने बताया कि सिम बाक्स के खरीद फरोख्त के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

अवैध टेलीकॉम एक्सचेंज का पर्दाफाश, मैनेजर सहित दो गिरफ्तार

आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर–12 स्थित सत्यम प्लाजा में बृहस्पतिवार को पुलिस और एसओजी ने एक अवैध टेलीकॉम एक्सचेंज का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को दबोच लिया। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्ट पोर्टल (एनसीआरपी) और दूरसंचार विभाग से मिले इनपुट के बाद यह कार्रवाई की गई। इस सेटअप के जरिये पिछले छह महीने से इंटरनेट कॉल को सिम बॉक्स से स्थानीय कॉल में बदलकर लोगों को डराया–धमकाया जा रहा था डीसीपी साइबर क्राइम आदित्य सिंह के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी खंदारी के नसीराबाद कॉलोनी निवासी आमिर सैफी और अलीगढ़ के गगौरी निवासी मनीष कुमार हैं। वीवी इंटरप्राइजेज नामक फर्म में मनीष मैनेजर है जबकि आमिर एडमिन। फर्म में 20 से 25 कर्मचारी लगे थे। गिरफ्तार आरोपियों से 8 सिम बॉक्स, 221 सिम, 96 रेडियो एंटीना, पांच लैपटॉप बरामद किए गए हैं। नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों, सिम कार्ड जारी कराने वालों, सिम बॉक्स के माध्यम से की गई कुल कॉल की जानकारी पुलिस जुटा रही है।

जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों पर ईडी करेगी कार्रवाई

लखनऊ। रामपुर के जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों पर सरकारी धन के कथित इस्तेमाल के मामले में ईडी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। जांच लगभग पूरी हो चुकी है। एजेंसी पूर्व मंत्री आजम खां के करीबी अनवर से पूछताछ करेगी।

आयकर विभाग के मूल्यांकन में भवनों की कीमत करीब 494 करोड़ रुपये आंकी गई थी।

रामपुर के जौहर विश्वविद्यालय में सरकारी विभागों के बजट से बने भवनों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द जब्त करेगा। ईडी ने इस प्रकरण की जांच तकरीबन पूरी कर ली है जिसके बाद विश्वविद्यालय के 38 भवनों पर कार्रवाई की तलवार लटकने लगी है।

ईडी पूर्व मंत्री आजम खां के करीबी अनवर से शुक्रवार को पूछताछ भी करेगा। उस पर डमी फर्म ए एंड एस एसोसिट्स बनाकर विश्वविद्यालय के भवनों के निर्माण के लिए मिली रकम को चंदे के रूप में जौहर ट्रस्ट को देने का आरोप है।

बता दें कि ईडी ने इस प्रकरण में पूर्व मंत्री आजम खां समेत कई आरोपियों के खिलाफ रामपुर में एक और एफआईआर दर्ज कराई थी जिसमें सरकारी विभागों के धन से जौहर विश्वविद्यालय के भवनों का निर्माण कार्य कराने और जौहर ट्रस्ट को चंदा देने के आरोप लगाए गए थे।

कमिश्नर के पास अपील में जाने के बाद लंबित

अब ईडी प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत इन भवनों को जब्त करने की कवायद में जुटा है। इसके लिए पूर्व में दर्ज केस में नई एफआईआर को भी शामिल किया गया है।

इस प्रकरण में मुरादाबाद के डीएम ने भी सरकारी धनराशि से बने भवनों को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। बाद में यह मामला मुरादाबाद के कमिश्नर के पास अपील में जाने के बाद लंबित है।

आयकर की जांच में भी खुलासा

इससे पहले आयकर विभाग ने भी अपनी जांच में विश्वविद्यालय के भवनों के निर्माण में सरकारी विभागों का बजट इस्तेमाल किए जाने का खुलासा किया था।

दरअसल जौहर ट्रस्ट ने विश्वविद्यालय के भवनों के निर्माण में करीब 45 करोड़ रुपये खर्च होने का दावा किया था, जबकि आयकर विभाग द्वारा मूल्यांकन कराने पर इनकी कीमत करीब 494 करोड़ रुपये पाई गई थी। इस प्रकरण में आयकर विभाग ट्रस्ट से 500 करोड़ रुपये से अधिक टैक्स की रकम वसूल सकता है।



टाइगर श्रॉफ के शूटर्स के निशाने पर थे रणबीर कपूर!
एक्टर के घर की हुई थी रेकी



'वोट चोरी' मुद्दे पर फिर लामबंद होगा विपक्ष, ऑनलाइन बैठक में बनेगी आगे की रणनीति



पूर्व भाजपा विधायक कुशाग्र सागर ने दिया इस्तीफा, कुशाग्र सागर की सपा में शामिल होने की चर्चाएं तेज



14 साल से अटका था ज़मीन का मामला, NDA में आते ही सुलझ गया!,



पीएम मोदी–टस्क की मुलाकात

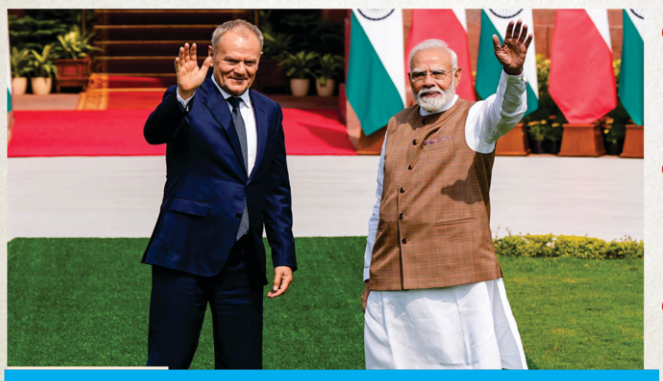
10 अरब डालर तक व्यापार का लक्ष्य, रक्षा–अंतरिक्ष पर भी नजर

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता कर व्यापार, रक्षा और तकनीक समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों देश सालाना व्यापार को करीब छह अरब डॉलर से बढ़ाकर 10 अरब डॉलर तक पहुंचाना चाहते हैं। टस्क अपनी यात्रा के दौरान भारत–पोलैंड बिजनेस फोरम में हिस्सा लेंगे और 23 अक्तूबर को बंगलूरू में सूचना प्रौद्योगिकी तथा अंतरिक्ष क्षेत्र के नेताओं से मुलाकात करेंगे। यह 2010 के बाद किसी पोलिश प्रधानमंत्री की पहली भारत यात्रा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने गुरुवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत–पोलैंड संबंधों की समीक्षा की और व्यापार, रक्षा, तकनीक समेत कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के रास्तों पर चर्चा की। टस्क 21 से 23 अक्तूबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरे का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है।

राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात से पहले डोनाल्ड टस्क ने गुरुवार सुबह राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने राष्ट्रपिता की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। टस्क बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर नई दिल्ली पहुंचे थे। उनके साथ पोलैंड के वित्त एवं अर्थव्यवस्था मंत्री आंद्रेज डोमान्स्की और कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है।

पीएम मोदी और टस्क की नई दिल्ली में मुलाकात



- 10 अरब डॉलर तक व्यापार बढ़ाने का लक्ष्य।
- रक्षा और अंतरिक्ष तकनीक में सहयोग पर जोर।
- 2010 के बाद पोलिश पीएम का पहला भारत दौरा।

जयशंकर से मुलाकात में भी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को पोलैंड के प्रधानमंत्री से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत–पोलैंड सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से मुलाकात करके खुशी हुई। भारत–पोलैंड के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर उनके विचारों की सराहना की।

छह अरब डॉलर से 10 अरब डॉलर तक व्यापार बढ़ाने का लक्ष्य

भारत में पोलैंड के पूर्व राजदूत एडम बुराकोव्स्की के मुताबिक, दोनों देश सालाना द्विपक्षीय व्यापार को करीब छह अरब डॉलर से बढ़ाकर 10 अरब डॉलर तक पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने कारोबार को बढ़ावा देने में कंपनियों के बीच साझेदारी और कारोबारी मंचों की भूमिका को अहम बताया। बुराकोव्स्की ने रक्षा और अंतरिक्ष तकनीक को भी सहयोग के प्रमुख क्षेत्र बताया। उनके अनुसार, भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता आर्थिक संबंधों को विस्तार देने में मदद कर सकता है।

आप घुसपैठियों के वोट बचाना चाहते हैं

राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर अमित शाह की खरी–खरी

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यमुना को साफ करने और जल आपूर्ति से संबंधित 10 परियोजनाओं का उद्घाटन और 33 का शिलान्यास किया। उन्होंने राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल सहित विपक्षी पार्टियों पर जोरदार हमला किया। कहा, 30 वर्षों तक भाजपा सत्ता में रहेगी। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं यमुना की सफाई में रीढ़ की हड्डी साबित होगी। सरकार बनने के एक माह के अंदर ही प्रधानमंत्री ने यमुना सफाई को लेकर दिल्ली सरकार और गृह मंत्रालय के साथ बैठक कर लक्ष्य तय कर दिया था। 40 प्रतिशत से अधिक मजल काटने का काम कर चुका है। नौ हजार का प्रोजेक्ट गंदे पानी को शुद्ध करने के और कई हजार करोड़ के पीने के पानी के प्रोजेक्ट रेखा गुप्ता व प्रवेश वर्मा के प्रयास से तैयार हुए। 20 साल से कांग्रेस व केजरीवाल की सरकार गटर का गंदा पानी और रोज दो हजार टन गोबर यमुना में डालने का काम किया। पूर्व में केंद्र, दिल्ली, हरियाणा में विपक्ष की सरकार थी और औद्योगिक अपशिष्ट डालने पर रोक नहीं लगा। अब केंद्र, दिल्ली, हरियाणा व उप्र में भाजपा की सरकार है। चारों एक यूनिट के रूप में काम कर रहे हैं। समयबद्ध तरीके से रोड मैप तैयार किए हैं। वर्ष 2029 में वोट लेने के लिए यमुना को निर्मल करके आएंगे। दिल्ली घर सुंदर, पानी शुद्ध, गलियां साफ, कूड़े के पहाड़ और यमुना निर्मल होकर संगम तक लोगों को आशीर्वाद दे रही हों ऐसी दिल्ली बनाना चाहते हैं। नरेन्द्र मोदी ने बड़े संकल्प के रूप में इसे लिया है।

> **केजरीवाल जी**, मेरे पास आपकी हर बात का जवाब है। मगर जवाब तो मैं तब दूंगा, जब पंजाब में भी **आपकी सरकार** को उखाड़कर फेंक देंगे। आपने आंदोलन के नाम पर सत्ता हथियाकर रैम्पेंट करप्शन करने के **अलावा** कुछ नहीं किया।



आसमान में वायुसेना का शक्ति प्रदर्शन

लड़ाकू विमान के करतब देख बोले दर्शक– ये पल ऐतिहासिक

वाराणसी। काशी में एयर शो का आगाज बृहस्पतिवार को हो गया है। नमो घाट से लेकर अस्सी घाट तक दर्शकों की भारी भीड़ पहुंची है। आंखों के सामने लड़ाकू विमानों को गुजरते देख लोगों में काफी उत्साह दिख रहा है। शिव की नगरी काशी में नमो घाट पर आसमान में बृहस्पतिवार की सुबह एक साथ सैकड़ों विमानों ने उड़ान भरा तो हजारों निगाहें आसमान पर टिक गईं। कुछ ही पलों में विमान नीचे आए, तेजी से पलटे और फिर ऊंचाई की ओर बढ़ गए। विमानों की लकीरों ने आसमान में तिरंगे की आकृति बनाई तो दर्शक रोमांचित हो उठे। गंगा के ऊपर आसमान में पहली बार काशी वायुसेना के शौर्य की साक्षी बनी। इस दौरान राफेल, सुखोई–30 एमकेआई, मिराज–2000 और तेजस जैसे लड़ाकू विमानों ने अपनी रफ्तार और युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया। एयर शो देखने के लिए नमो घाट से लेकर अस्सी व दशाश्वमेध के साथ ही सभी घाटों पर लोगों की भीड़ रही। इस दौरान लोगों ने आंखों के सामने विमानों का करतब देख कहा कि ये पल ऐतिहासिक है। बच्चों में काफी उत्साह दिखा।

एयर शो देखने पहुंचे दर्शकों की भीड़ को देखते हुए जिले की पुलिस व प्रशासन की ओर से कड़ी व्यवस्था की गई है। जमीन से लेकर आसमान तक कड़ा सुरक्षा पहरा है।

शिव की काशी में शौर्य का शंखनाद

नमो घाट पर एयर शो का आगाज, दर्शकों में दिखा गजब का उत्साह

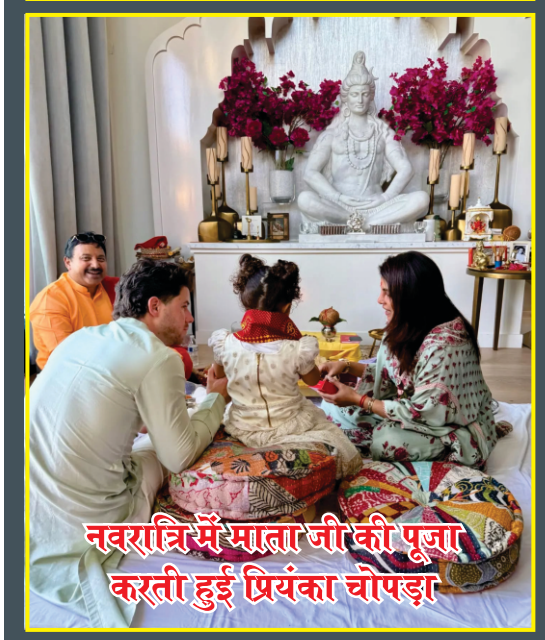


बता दें कि एयर शो में देश के 12 एयरबेस से 100 लड़ाकू विमान उड़ान भरेंगे। इनमें 52 लड़ाकू, 15 परिवहन, एक विंटेज विमान और 32 हेलिकॉप्टर शामिल रहेगा। भारतीय वायुसेना का गरुड़ विशेष बल भी प्रदर्शन का हिस्सा होगा। बोइंग सी–17 ग्लोबमास्टर श्री सूर्य किरण के 9 विमानों संग फॉर्मेशन करेगा।

आज एयर शो का पहला दिन है। वहीं 24 और 25 अक्तूबर को भी आयोजन होना है। ऐसे में शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित है। मालवाहक वाहनों, रोडवेज व प्राइवेट बसों का संचालन शहर के अंदर नहीं हो रहा है। एयर शो देखने के लिए काशी के विभिन्न घाटों पर हजारों की संख्या में लोग पहुंचे हैं। इस दौरान विदेशी पर्यटक भी एयर शो देखने के लिए घाटों पर पहुंचे।

एयर शो देखने के लिए राजघाट–प्रह्लाद घाट की सीढ़ियों पर भारी संख्या में लोग बैठे रहे। कड़ी धूप में भी लोग डटे रहे। दर्शकों ने कहा कि बहुत मजा आ रहा है। जिन लड़ाकू विमानों को टीवी पर देखते थे, उसे आंखों के सामने देख रहे हैं।





भक्ती में डूबा पूरा बालीबुड









एंटरटेनमेंट डेस्क। 'बिग बॉस 20' के घर में प्रतिभागी माही विज से उनके लव रिलेशनशिप को लेकर काजी तौकीर ने सवाल किये। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने अपने बारे में एक दिलचस्प जानकारी दी। 'बिग बॉस' में लगभग हर सीजन में प्रतिभागी एक दूसरे के साथ रहते हुए अपने सुख–दुख साझा कर लेते हैं। ऐसे ही शो के बीसवें सीजन में भी हो रहा है। हालिया एपिसोड में माही विज से उनकी रोमांटिक लाइफ को लेकर कुछ सवाल पूछे गए। इनके जवाब भी एक्ट्रेस ने दिये।

क्या था काजी का माही से सवाल?

'बिग बॉस 20' के एपिसोड में माही विज, काजी तौकीर और उदिति सिंह साथ बैठे हुए थे। इसी बीच काजी ने माही से पूछा कि क्या कोई उन्हें प्रपोज कर सकता है?, इसके जवाब में माही ने कहा 'नहीं, कोई मुझसे संपर्क नहीं कर सकता।

परिवार संग लास एंजेलिस में मनाया दशहरा

बेटी मालती मैरी ने पारंपरिक पूजा में भाग लिया परिवार ने साथ में किया कन्या पूजन

एंटरटेनमेंट डेस्क। भले ही प्रियंका चोपड़ा ने विदेशी छोरे निक जोनस से शादी की हो लेकिन वो दिल से आज भी देसी हैं। इसका प्रूफ हमें कई बार उनके इंस्टा पोस्ट या व्यवहार आदि में देखने को मिला है। हाल ही में ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा जोनस अपने पति और सिंगर निक जोनस के साथ घर पर पारंपरिक पूजा के साथ दशहरा मनाते दिखीं। इस सेलिब्रेशन में उनकी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस भी शामिल हुईं। एक्ट्रेस ने इसकी कई सारी तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं।

मालती मैरी ने खींचा ध्यान

कपल ने पहले कन्या पूजन किया, जो एक हिंदू अनुष्ठान है जिसमें छोटी बच्चियों को देवी दुर्गा के रूप में पूजा जाता है। इसके बाद वो पारंपरिक अनुष्ठान करती भी नजर आईं। छोटी मालती ने भी मम्मी–डैडी के साथ पूजा में हिस्सा लिया।

आइवरी रंग के एथिनिक वियर और दो पोनीटेल में मालती बहुत ही क्यूट लग रही थीं। इसी के साथ उन्होंने कंधे पर माता रानी की लाल चुनरी ओढ़ी हुई थी जिस पर श्जय माता दीश लिखा हुआ था। नवरात्रि में कन्या पूजन के दौरान प्रियंका और निक को अपनी छोटी बेटी के पैर धोते हुए भी देखा गया।

प्रियंका के साथ निक जोनस ने भी की पूजा

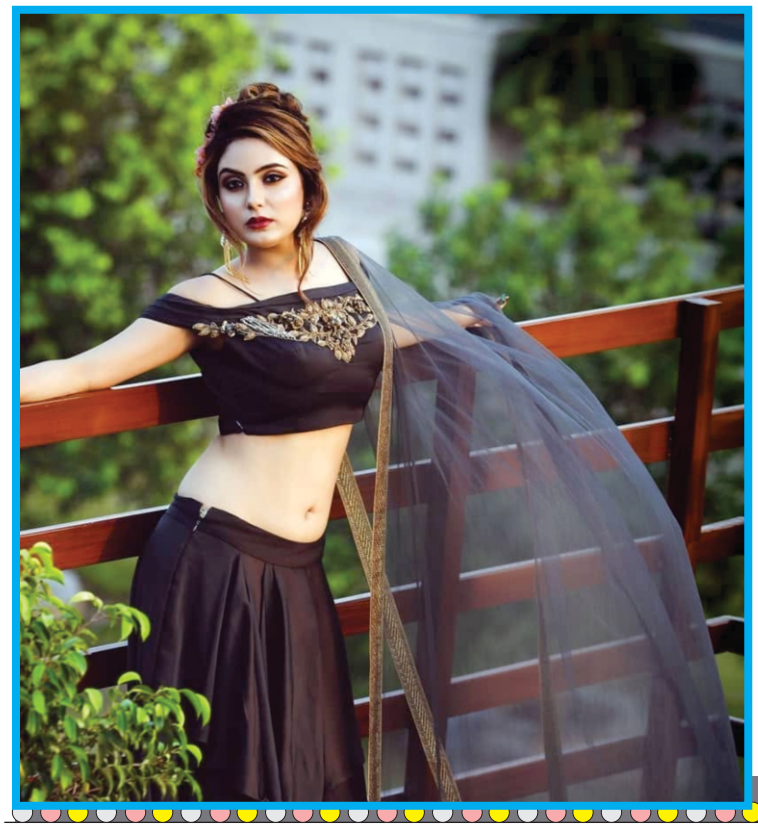
प्रियंका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जश्न की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में परिवार के कुछ खास पल कैद हैं, जिनमें प्रियंका और निक अपनी बेटी के साथ पूजा–पाठ में शामिल होते दिख रहे हैं। एक तस्वीर में, पूजा के दौरान निक अपनी बेटी मालती के पास बैठे हैं और प्रियंका भी उनके साथ मौजूद हैं। एक और तस्वीर में यह कपल अपनी बेटी के साथ घर के मंदिर के सामने हवन करते दिखे। इसे फूलों और देवी–देवताओं की मूर्तियों से सजाया गया है। इन तस्वीरों में मालती ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उनके हाथों में छोटी–छोटी चूड़ियां हैं और माता रानी की चुनरी आकर्षण का केंद्र रही।

बेटी को सिखाती हैं भारतीय परंपरा

प्रियंका ने हमेशा से ही मालती को भारतीय परंपराओं और आध्यात्मिकता से परिचित कराने की कोशिश की है। इस साल अगस्त में अभिनेत्री ने एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वह अपनी बेटी को दुर्गा सप्तशती का एक श्लोक सिखाती हुई दिखाई दी थीं।

माता रानी की भक्ति में लीन दिखीं बेटी मालती







मोना ने जीता गोल्ड

विश्व रिकार्ड भी बनाया, भारत ने बराबर किया स्वर्ण का रिकार्ड

स्पोर्ट्स डेस्क। एशियन पैरा गेम्स 2026 के पांचवें दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। नितेश कुमार, नवीन शिवकुमार और हरविंदर सिंह–संदीप विजय ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि संदीप कुमार ने 400 मीटर टी64 में विश्व रिकॉर्ड बनाया। भारत ने बैडमिंटन, तीरंदाजी और एथलेटिक्स में कई पदक अपने नाम किए और कुल पदकों की संख्या 100 के पार पहुंचा दी है।

पैरा तीरंदाजी में कांस्य पदक से चूका भारत, शूटऑफ में ईरान ने हराया



एशियन पैरा गेम्स में भारत की पैरा रिकर्व मिश्रित टीम को कांस्य पदक के मुकाबले में ईरान के खिलाफ करीबी हार का सामना करना पड़ा। हरविंदर सिंह और भावना चौधरी की भारतीय जोड़ी शूटऑफ तक पहुंचे मुकाबले में 4–5 से हार गई और पदक से चूक गई। दोनों टीमों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। निर्धारित सेटों के बाद स्कोर बराबर होने के कारण फैसला शूटऑफ से हुआ। भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए मुकाबले को निर्णायक दौर तक पहुंचाया, लेकिन शूटऑफ में ईरान ने बाजी मारकर कांस्य पदक अपने नाम कर लिया।

पैरा शूटिंग में मोना अग्रवाल ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण, अवनि लेखरा चौथे स्थान पर

भारत की निशानेबाज मोना अग्रवाल ने इतिहास रचते हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड बना दिया। मोना ने 357.5 अंक हासिल किए और स्वीडन की अन्ना बेंसन के 356 अंकों के पिछले विश्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस स्पर्धा में चीन की कुइपिंग झांग ने 353.7 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की म्योंग किम 344.4 अंकों के साथ कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं। भारत की अवनि लेखरा 333.2 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं। मोना के रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन ने भारतीय निशानेबाजी दल के लिए इस स्पर्धा को यादगार बना दिया। इस स्वर्ण पदक के साथ भारत के स्वर्ण पदकों की संख्या 27 हो गई है। इसके साथ ही भारत ने पिछले संस्करण में जीते गए 27 स्वर्ण पदकों के अपने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।



आइची–नागोया एशियन पैरा गेम्स में भारत ने 104 पदक जीतकर 2023 हांगझोऊ खेलों के 27 स्वर्ण पदकों की बराबरी कर ली है। 24 अक्टूबर को एक दिन की प्रतियोगिता बाकी है। सामान्य एशियाई खेलों में भारत के 85 पदकों के मुकाबले पैरा खिलाड़ियों ने 104 पदक जीतकर देश को नई उम्मीद और खुशी दी है। अब नजरें भारत के पिछले सर्वश्रेष्ठ कुल पदक प्रदर्शन को पीछे छोड़ने पर हैं। जापान के आइची–नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने ऐसा प्रदर्शन किया है, जिसने देश की उम्मीदों को नई ऊंचाई दे दी है। भारत अब तक 27 स्वर्ण, 33 रजत और 43 कांस्य सहित कुल 104 पदक जीत चुका है। खास बात यह है कि भारतीय दल ने 2023 में हांगझोउ में हुए पिछले एशियन पैरा गेम्स के 27 स्वर्ण पदकों की बराबरी कर ली है। आज और 24 अक्तूबर को प्रतियोगिता का एक दिन अभी बाकी है। आज के आज ही 2023 एशियन पैरा गेम्स का रिकार्ड टूट सकता है, लेकिन कब तक, यह देखने वाली बात होगी। ऐसे में इस बात की पूरी संभावना है कि आइची–नागोया भारत का अब तक का सबसे सफल एशियन पैरा गेम्स अभियान बनने जा रहा है। आपको बता दें कि 2022 में होने वाले एशियन पैरा गेम्स को 2023 में कराया गया था। इसलिए हमने 2023 लिखा है, लेकिन उसका आधिकारिक नाम 2022 हांगझोउ एशियन पैरा गेम्स या हांगझोउ एशियन गेम्स ही था।



एशियन पैरा गेम्स 2026 में पैरा तीरंदाजी में भारत की 19 वषह्नय शीतल देवी ने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने तोमन कुमार के साथ मिलकर मिक्स्ड टीम इवेंट का गोल्ड जीता. इसके बाद उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा में भी गोल्ड अपने नाम किया. इस तरह शीतल देवी ने एक ही दिन में दो गोल्ड मेडल जीतकर देश का मान बढ़ाया ।







क्या सैमसन–अभिषेक को मिलते हैं निर्देश

अय्यर से जब पूछा गया कि क्या वह या टीम मैनेजमेंट संजू सैमसन और अभिषेक को कोई निर्देश देते हैं, तो इसके जवाब में भारतीय टी20 कप्तान ने कहा, वह काफी अनुभवी हैं। उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं है कि उन्हें कैसे खेलना है। वह अच्छी तरह जानते हैं कि उन्हें क्या करना है। एक बार जब वे लय पकड़ लेते हैं, तो बस उस मोमेंटम को आगे ले जाने की बात होती है, और आज इसका एक बेहतरीन उदाहरण देखने को मिला। ऐसा हर बार नहीं होता, लेकिन जब वह लय में आ जाते हैं, तो वह हमारे लिए एक मजबूत मंच तैयार कर देते हैं। इसके बाद हम बाकी खिलाड़ी आकर पारी को संभालते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि हम मैच को जीत के साथ खत्म करें।

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया। टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड से मिले 226 रनों के लक्ष्य को दो गेंद शेष रहते हुए हासिल किया। पहले टी20 में मिली जीत से कप्तान श्रेयस अय्यर गदगद नजर आए। श्रेयस अय्यर ने जीत का श्रेय टीम के बल्लेबाजों को दिया।

श्रेयस ने कीवी टीम के बल्लेबाजों को सराहा

श्रेयस ने मैच के बाद कहा, शानदार जीत। जब हमने गेंदबाजी शुरू की, तो मुझे लगा कि पिच थोड़ी धीमी खेल रही थी। गेंद थोड़ी रुक कर आ रही थी और हमने सही हार्ड लेंथ पर गेंदबाजी करने के बजाय थोड़ा आगे गेंदबाजी की। हालांकि, जैसे–जैसे खेल आगे बढ़ा, ओस आने लगी और विकेट पर गेंद तेजी से फिसलने लगी। गेंद बल्ले पर बहुत अच्छे से आ रही थी, जिससे उन्हें मोमेंटम मिल गया और वह 220 रन तक पहुंच गए। उनकी कोशिशों की तारीफ करनी होगी, लेकिन जाहिर है ।



'भारत बनाम न्यूजीलैंड'

श्रेयस अय्यर ने नमन धीर को जमकर सराहा

जीत के बाद भारतीय टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने इसका श्रेय बल्लेबाजों को दिया

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
UPHIN/2023/90814
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।